an>

Title: Demand for Government jobs for the families of martyrs.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय: अध्यक्ष महोदया, मैं भारत सरकार का ध्यान देश की रक्षा में लगे जवानों की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूं। ...(व्यवधान) देश की रक्षा में लगे जवान सेवा अवधि में शहीद होते हैं तो उनके परिवार के सदस्यों के लिए सरकारी नौकरी का प्रावधान नहीं है जबकि देश में लगभग सभी लोक उपक्रम में सेवाअवधि में मृत कर्मचारियों के आश्रित परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी देने का प्रावधान है। ...(व्यवधान) देश की रक्षा में शहीद हुए जवान के परिवार के सदस्य के लिए सरकारी नौकरी देने का प्रावधान करने की आवश्यकता है उन शहीद जवानों के लिए इससे बड़ा और दूसरा सम्मान नहीं हो सकता है ...(व्यवधान) ऐसा होने से ज्यादा से ज्यादा युवाओं को सेना में शामिल होने के प्रति रूझान होगा और देश के लिए रक्षा में लगे जवानों का मनोबल ऊंचा होगा। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री रोड़मल नागर,

श्री जगदम्बिका पाल,

श्री निशिकान्त दुबे,

श्री शिव कुमार उदासी और

श्री शरद त्रिपाठी को श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।